एम. कॉम
प्रथम वर्ष

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि
(एम. कॉम)

एम. कॉम. (F&T)
एम. कॉम. (BP & CG)
एम. कॉम. (MA & FS)
के लिए भी

प्रथम वर्ष
सत्रीय कार्य
2015–16

आई. बी. ओ. – 06: अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय वित्त

जुलाई 2015 तथा जनवरी 2016 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 1100 68

सत्रीय कार्य – 2015–16

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2015 और जनवरी 2016)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जुलाई 2015** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2016** है।

2. जो **जनवरी 2016** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2016** तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें 15 मार्च तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं ता आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें 15 सितम्बर तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई. बी. ओ. – 06
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय वित्त
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ.-06/टी.एम.ए./2015–16
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. ब्याज दर समता, क्रय शक्ति समता तथा अंतर्राष्ट्रीय फिशर इफैक्ट में परस्पर तुलना कीजिए व अन्तर बताइए। (20)

2. एक फर्म द्वारा सामना किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के करेंसी एक्सपोजर की प्रत्येक के उदारण सहित चर्चा कीजिए। (20)

3. ऋण सिंडिकेट क्या है? एक सिंडिकेट बैंक ऋण का समझौता करने के महत्वपूर्ण पहलू क्या हैं? (6+14)

4. साख पत्र और बैंकर स्वीकृति क्या है? विदेशी व्यापार में इनका उपयोग क्यों होता है? प्रत्येक प्रपत्र के द्वारा विदेश व्यापार लेन देनों में आयातक और निर्यातक को दिए जाने वाले लाभों का वर्णन कीजिए। (6+6+8)

5. केन्द्रीकृत रोकड़ प्रबन्ध कार्य के लाभ एवं हानियां क्या है? लाभ बढ़ानें एवं हानियां कम करने के लिए एक फर्म को क्या करना चाहिए? (12+8)